डब्ल्यूएचओ ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन

संदर्भ: WHO और आयुष मंत्रालय 17-19 अगस्त तक गुजरात के गांधीनगर में पारंपरिक चिकित्सा पर पहला वैश्विक शिखर सम्मेलन आयोजित करेंगे।

- **WHO ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन (जीसीटीएम)**: डब्ल्यूएचओ की रणनीति के अनुरूप, पारंपरिक चिकित्सा पर केंद्रित एक ज्ञान केंद्र।
- **रणनीतिक फोकस:** साक्ष्य, शिक्षण, डेटा, स्थिरता, समानता, नवाचार और प्रौद्योगिकी पर जोर।
- **विरासत का सम्मान:** स्थानीय परंपराओं, संसाधनों और अधिकारों का सम्मान करने का मार्गदर्शक सिद्धांत।
- **भारत सरकार का समर्थन:** इसे भारत सरकार के समर्थन से जामनगर, गुजरात में स्थापित किया जा रहा है।
- **वैश्विक एकता:** "वसुधैव कुटुंबकम" की अवधारणा के अनुरूप, जो वैश्विक अंतर्संबंध और पारंपरिक चिकित्सा की क्षमता के लिए समर्थन को दर्शाता है।

जीसीटीएम (GCTM) की आवश्यकता:

- **वैश्विक उपयोग:** लगभग 88% देश पारंपरिक चिकित्सा (जैसे हर्बल उपचार, एक्यूपंक्चर, योग) का उपयोग करते हैं।
- **सदस्य राज्यों की प्राथमिकता:** 170 देश पारंपरिक चिकित्सा का उपयोग करते हैं और सुरक्षित, प्रभावी और उचित उपयोग के लिए प्रमाण चाहते हैं।
- **ऐतिहासिक महत्व**: पारंपरिक चिकित्सा सदियों से महत्वपूर्ण रही है, विशेषकर जहां आधुनिक चिकित्सा तक पहुंच असमान है।
- **सांस्कृतिक संपदा:** पारंपरिक प्रथाएं और जैव विविधता विविध, सतत विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं।
- **उद्योग पर प्रभाव**: पारंपरिक चिकित्सा एक ट्रिलियन-डॉलर उद्योग का हिस्सा है, जिसमें 40% दवाएं प्राकृतिक स्रोतों पर आधारित हैं।
- **स्वास्थ्य प्रणाली भूमिका:** अधूरे डेटा के कारण राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणालियों में पारंपरिक चिकित्सा की क्षमता का कम उपयोग किया जाता है।
- **GCTM का लक्ष्य:** WHO ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन ज्ञान को बढ़ाएगा और इन कमियों को दूर करेगा।

भारत का निवेश :

- **भारतीय निवेश:** भारत WHO ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन में प्राथमिक निवेशक है, जो लगभग 250 मिलियन डॉलर का निवेश कर रहा है।
- **समर्थन का दायरा:** फंड केंद्र की स्थापना, बुनियादी ढांचे और संचालन को कवर करेगा।
- **परिचालन प्रतिबद्धता**: भारत एक दशक तक परिचालन लागत में भी सहायता करेगा।
- **सुविधा विवरण:** केंद्र सुलभ, पर्यावरण-अनुकूल और इंटरैक्टिव होगा, जो पारंपरिक चिकित्सा के वैश्विक और वैज्ञानिक पहलुओं पर प्रकाश डालेगा।
- **सहयोग:** ITRA एक WHO सहयोग केंद्र और राष्ट्रीय महत्व का संस्थान है।

कार्यवाहक प्रधान मंत्री

संदर्भ: अनवर-उल-हक कक्कड़ ने पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधान मंत्री के रूप में शपथ ली।

कार्यवाहक सरकार

- **कार्यवाहक सरकार**: एक नियमित सरकार चुने जाने या गठित होने तक अस्थायी प्रशासन है ।
- **गठन** : जब अविश्वास प्रस्ताव के बाद या वर्तमानसदन भंग हो जाता है तब इसका गठन होता है।
- **वेस्टमिंस्टर प्रणाली:** कुछ देशों में, चुनाव-अंतरिम अवधि के दौरान यह मौजूदा सरकार होती है।
- **सीमित गतिविधियाँ:** कार्यवाहक सरकार की गतिविधियाँ रीति-रिवाजों और परंपराओं से बाधित होती हैं।
- **गठबंधन संदर्भ:** नए गठबंधनों के लिए बातचीत के दौरान गठबंधन प्रणालियों में उपयोग किया जाता है।
- **राष्ट्रपति का विवेक**: स्पष्ट बहुमत न होने या अचानक सरकार गिरने पर प्रधानमंत्री की नियुक्ति में राष्ट्रपति का स्थितिजन्य विवेक महत्वपूर्ण हो जाता है।

शक्तियां

- **अंतरिम शासन:** आम चुनाव समाप्त होने तक एक अस्थायी प्रशासन के रूप में कार्य करता है।
- **रखरखाव:** संक्रमण अवधि के दौरान बुनियादी शासन कार्यों के लिए जिम्मेदार।

सीमाएँ

- **कोई बाध्यकारी निर्णय नहीं**: आने वाली सरकार के लिए कोई बाध्यकारी निर्णय , नीतियां या वित्तीय प्रतिबद्धताएं नहीं ले सकते।
- **नियुक्तियाँ और बर्खास्तगी**: नई नियुक्तियाँ या बर्खास्तगी करने पर रोक।
- **नीतियां शुरू करना**: चुनाव होने तक महत्वपूर्ण नीतियां शुरू करने पर प्रतिबंध।
- **वित्तीय संयम**: पर्याप्त वित्तीय निहितार्थ वाले निर्णयों में शामिल नहीं हो सकते।
- **सरकारी अनुबंध:** प्रमुख सरकारी अनुबंधों में प्रवेश करने से वर्जित।
- **नियमित व्यय**: नियमित व्यय प्रतिबद्धताओं तक सीमित।
- **सार्वजनिक नियुक्तियाँ:** सार्वजनिक नियुक्तियाँ करने की अनुमति नहीं है जो अगली सरकार को बाधित करेगी।
- **नीतिगत प्रतिबद्धताएँ:** ऐसी नीतियां बनाने से प्रतिबंधित किया गया है जिनका भविष्य की सरकारों को पालन करना होगा।

बढ़े हुए प्रतिबंधों का दृष्टिकोण:

- **राजनीतिक प्राधिकार**: कानूनी तौर पर सत्ता में रहते हुए, लंबित चुनाव परिणाम के कारण राजनीतिक प्राधिकार का अभाव है।
- **वैध शासन:** वैध शासन जारी रहता है, लेकिन चुनाव परिणाम राजनीतिक वैधता निर्धारित करते हैं।

सुझाव:

- भावी सरकारों को बाध्य करने वाली नई नीतियों से बचना चाहिए।

- गैर-नियमित व्यय प्रतिबद्धताओं को सीमित करना।
- सार्वजनिक नियुक्तियों को बाध्य करने से बचना।
- महत्वपूर्ण सरकारी अनुबंधों से दूर रहना।

विश्वकर्मा योजना

संदर्भ: प्रधानमंत्री ने पारंपरिक शिल्प कौशल में विशेषज्ञता वाले व्यक्तियों का समर्थन करने के उद्देश्य से 'विश्वकर्मा योजना' की शुरुआत की।

- **लक्षित लाभार्थी**: पारंपरिक शिल्प में कुशल व्यक्ति, विशेष रूप से ओबीसी समुदाय से, जैसे बुनकर, सुनार आदि।
- **वित्तीय आवंटन:** यह योजना 13-15 हजार करोड़ रुपये के शुरुआती बजट से शुरू होगी।
- **गरीबी उन्मूलन**: प्रधानमंत्री के प्रयास से पिछले पांच वर्षों में 13.5 करोड़ लोग गरीबी से मध्यम वर्ग की ओर बढ़े हैं।
- **प्रभावशाली पहल:** उल्लिखित प्रमुख प्रयासों में स्ट्रीट वेंडरों के लिए ₹50,000 करोड़ (पीएम स्वनिधि) और सीधे किसानों को ₹2.5 लाख करोड़ (पीएम किसान सम्मान निधि) शामिल हैं।

अनुमान

- भारत के केवल 4.7% कार्यबल ने औपचारिक कौशल प्रशिक्षण प्राप्त किया, जो अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों की तुलना में बहुत कम है।
- **कौशल अंतर अध्ययन**: एनएसडीसी के 2010-2014 के अध्ययन में 2022 तक 24 क्षेत्रों में 10.97 करोड़ कुशल श्रमिकों की आवश्यकता की भविष्यवाणी की गई है।
- **व्यापक पुनर्कौशल:** कृषि और गैर-कृषि दोनों क्षेत्रों में लगभग 29.82 करोड़ श्रमिकों को कौशल, पुनर्कौशल और अपस्किल पहल की आवश्यकता है।

समस्याएँ

- **अत्यधिक कार्यान्वयन**: पीएमकेवीवाई चरण III का लक्ष्य 2020-21 में 8 लाख व्यक्तियों को प्रशिक्षित करना था , लेकिन प्रतिस्पर्धी जिम्मेदारियों के कारण जिला कलेक्टरों के नेतृत्व वाली जिला कौशल समितियों पर निर्भरता चुनौतियां पैदा करती है।
- **नीतिगत अनियमितता :** अंतर-मंत्रालयी समन्वय के लिए 2013 में स्थापित एनएसडीए को एनसीवीटी में विलय कर दिया गया, जिससे नीतिगत अनियमितता और भ्रम पैदा हुआ।
- **उभरते प्रवेशकर्ता:** 2023 तक, 15-59 आयु वर्ग के लगभग 7 करोड़ नए प्रवेशकों के श्रम बल में शामिल होने का अनुमान है, जिसके लिए पर्याप्त नीतिगत ध्यान देने की आवश्यकता है।
- **नियोक्ता की अनिच्छा**: बेरोजगारी केवल कौशल के बारे में नहीं है; क्रेडिट की कमी और निवेश में गिरावट के कारण उद्योगों की नियुक्ति में झिझक भी समस्या को बढ़ाती है।

भारत में वीरता पुरस्कार

संदर्भ: स्वतंत्रता दिवस 2023 की पूर्व संध्या पर, राष्ट्रपति सशस्त्र बलों और सीएपीएफ कर्मियों को दिए जाने वाले 76 वीरता पुरस्कारों को मंजूरी देते हैं।

- इससे सशस्त्र बलों, विधिपूर्वक गठित बलों और नागरिकों की बहादुरी और बलिदान को विशिष्ट पहचान मिलती है।
- इन पुरस्कारों का वरीयता क्रम परमवीर चक्र, अशोक चक्र, महावीर चक्र, कीर्ति चक्र, वीर चक्र और शौर्य चक्र है।

वर्ष में दो बार पुरस्कार दिया जाता है: गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस।

श्रेणियाँ

- युद्धकालीन पुरस्कार वीरता पुरस्कार:
  - परमवीर चक्र (पीवीसी)
  - महावीर चक्र (एमवीसी)
  - वीर चक्र
- शांति कालीन पुरस्कार वीरता पुरस्कार :
  - अशोक चक्र
  - ओ कीर्ति चक्र
  - शौर्य चक्र

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

- पहले तीन पुरस्कार 1950 में स्थापित किये गये थे, जो 1947 से प्रभावी थे।
- बाद में 1967 में तीन पुरस्कारों का नाम बदल दिया गया।

अलंकरण समारोह

- रक्षा अलंकरण समारोह में राष्ट्रपति द्वारा पुरस्कार प्रदान किये जाए हैं ।
- गणतंत्र दिवस परेड के दौरान परमवीर चक्र और अशोक चक्र किये जाते हैं।

पात्रता

- **परमवीर चक्र (पीवीसी),महावीर चक्र (एमवीसी) और वीर चक्र:**
  - सशस्त्र बल, रिजर्व बल, प्रादेशिक सेना।
  - बलों की निगरानी में अस्पताल/नर्सिंग सेवाएं और नागरिक।
- **अशोक चक्र, कीर्ति चक्र, शौर्य चक्र:**
  - सेना, नौसेना, वायु सेना, रिजर्व बल, प्रादेशिक सेना, पुलिस।

- नर्सिंग सेवाएँ, नागरिक नागरिक और पुलिस बल।

पुरस्कार के लिए शर्तें

- **परमवीर चक्र**: दुश्मन की उपस्थिति में विशिष्ट बहादुरी।
- **महावीर चक्र**: दुश्मन की उपस्थिति में वीरता।
- **वीर चक्र**: शत्रु की उपस्थिति में वीरता।
- **अशोक चक्र**:, दुश्मन की अनुपस्थिति आवश्यक नहीं।
- **कीर्ति चक्र:** विशिष्ट वीरता, शत्रु की उपस्थिति में बहादुरी।
- **शौर्य चक्र:** शत्रु की उपस्थिति में वीरता।
- **मरणोपरांत पुरस्कार संभव।**

चयन प्रक्रिया

- सशस्त्र बलों और गृह मंत्रालय से साल में दो बार सिफारिशें आमंत्रित की जाती हैं।
- राज्य/केंद्रशासित प्रदेश सरकारों, मंत्रालयों, बलों (निजी व्यक्तियों से नहीं) से नागरिक सिफारिशें।
- उप-समिति की जांच, केंद्रीय सम्मान एवं पुरस्कार समिति की समीक्षा।
- पीएम और राष्ट्रपति की मंजूरी।
- गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस पर पुरस्कारों की घोषणा।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

रोगाणुरोधी प्रतिरोध

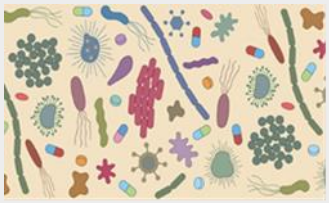

रोगाणुरोधी प्रतिरोध क्या है?

रोगाणुरोधी प्रतिरोध (AMR) सूक्ष्मजीवों (बैक्टीरिया, वायरस, कवक, परजीवी) को नियंत्रित करने या खत्म करने के लिए डिज़ाइन की गई दवाओं के खिलाफ प्रतिरोध विकसित करने की क्षमता को संदर्भित करता है।

प्रभाव: एंटीबायोटिक दवाओं की प्रभावशीलता को ख़तरा, इलाज करने में कठिन बीमारियाँ।
कारण: एंटीबायोटिक दवाओं का दुरुपयोग, खराब स्वच्छता, अनुचित कृषि उपयोग।
परिणाम: मृत्यु दर में वृद्धि, स्वास्थ्य देखभाल की लागत, प्रतिरोध का प्रसार।
वैश्विक चिंता: स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों सहित अर्थव्यवस्थाओं को प्रभावित करता है।
भेद्यता: विकासशील देशों को सीमित संसाधनों के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।
आर्थिक प्रभाव: स्वास्थ्य देखभाल पर अधिक खर्च, उत्पादकता में कमी।
वैश्विक कार्रवाई: WHO जागरूकता, निगरानी, नए एंटीबायोटिक्स विकास का नेतृत्व करता है।
एक स्वास्थ्य दृष्टिकोण: स्वास्थ्य विशेषज्ञों, पशु चिकित्सकों, नीति निर्माताओं को शामिल करते हुए यह एक सहयोगात्मक प्रयास है।
रोकथाम: जिम्मेदार एंटीबायोटिक उपयोग, बेहतर स्वच्छता, अनुसंधान, नीति।

पर्सिड्स उल्का बौछार

पर्सीड उल्का बौछार क्या है?

पर्सीड उल्का बौछार एक वार्षिक घटना है जब पृथ्वी स्विफ्ट-टटल धूमकेतु के मलबे से होकर गुजरती है, जिसके परिणामस्वरूप पर्सियस तारामंडल से निकलने वाले चमकीले उल्काओं का प्रदर्शन होता है।

दीप्तिमान बिंदु: ऐसा प्रतीत होता है कि उल्काओं की उत्पत्ति पर्सियस तारामंडल से हुई है, इसलिए इसका नाम "पर्सिड" पड़ा।
समय: यह बौछार आम तौर पर अगस्त में होता है, विशेष रूप से 11 से 13 अगस्त के आसपास।
चरम गतिविधि: सबसे तीव्र उल्का गतिविधि 12 अगस्त के आसपास होती है।
विशेषताएँ: पर्सीड उल्काएँ तेज़ गति से चलने वाली और चमकीली होती हैं, जो अक्सर आकाश में चमकते हुए प्रकाश के दृश्यमान निशान छोड़ती हैं।
उल्का गणना: चरम के दौरान, पर्यवेक्षक प्रति घंटे लगभग 50 से 100 उल्काएँ देख सकते हैं।
स्थितियाँ: पर्सीड उल्का बौछार गर्म मौसम और रात की आरामदायक परिस्थितियों के दौरान सबसे अच्छी तरह से देखी जाती है।
आग के गोले: शॉवर को आग के गोले पैदा करने के लिए जाना जाता है, जो बड़े धूमकेतु के टुकड़ों के कारण प्रकाश और रंग के बड़े विस्फोट होते हैं।
खगोल विज्ञान के प्रति उत्साही: पर्सीड मेटियोर शावर अपने जीवंत और प्रभावशाली प्रदर्शन के कारण स्टारगेज़र्स और खगोल विज्ञान के प्रति उत्साही लोगों के बीच एक लोकप्रिय कार्यक्रम है।

जेनेरिक चिकित्सा

जेनेरिक दवा क्या है?

जेनेरिक मेडिसिन एक फार्मास्युटिकल उत्पाद है जिसका सक्रिय घटक, खुराक और उद्देश्य ब्रांड नाम वाली दवा के समान है।
यह किफायती है और पेटेंट समाप्ति के बाद स्वीकृत है, समान चिकित्सीय लाभ और सुरक्षा मानकों को बनाए रखता है।
नियामक की मंज़ूरी: जेनेरिक चिकित्सा नियामक सुरक्षा और गुणवत्ता तुल्यता सुनिश्चित करते हैं।
जैव समतुल्यता: वे ब्रांड नाम वाली दवाओं की तरह ही सक्रिय तत्व जारी करते हैं।
गुणवत्ता के मानक: जेनेरिक दवाइयां समान गुणवत्ता मानदंडों को पूरा करते हैं।
सलाह/परामर्श: चिकित्सक जेनेरिक या ब्रांड-नाम वाली दवाएं लिख सकते हैं।
विनिमेयता: जेनेरिक दवाओं को ब्रांड-नाम संस्करणों से प्रतिस्थापित किया जा सकता है।
फार्मासिस्ट की भूमिका: फार्मासिस्ट समकक्ष जेनेरिक दवाएँ प्रदान कर सकते हैं।
उपभोक्ता जागरूकता: मरीजों को लाभ और विकल्पों को समझने की जरूरत है।
वैश्विक रुझान: कई देश सामर्थ्य के लिए जेनेरिक दवाओं को बढ़ावा देते हैं।

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

16 August, 2023

आदित्य एल-1 मिशन

क्या है आदित्य एल-1 मिशन?

आदित्य-एल1 मिशन इसरो द्वारा अंतरिक्ष-आधारित वेधशाला का उपयोग करके सूर्य का अध्ययन करने का भारत का अंतरिक्ष प्रयास है। इसका उद्देश्य सूर्य की परतों, विशेष रूप से इसके कोरोना मंडल का निरीक्षण करना और सौर गतिविधि का विश्लेषण करना है।

कक्षीय स्थिति: पृथ्वी से लगभग 15 लाख किमी दूर, सूर्य-पृथ्वी प्रणाली के लैग्रेंज बिंदु 1 (एल1) के चारों ओर एक प्रभामंडल कक्षा में स्थापित किया गया।

पेलोड: सूर्य की परतों के विद्युत चुम्बकीय, कण और चुंबकीय क्षेत्र अवलोकन के लिए सात पेलोड ले जाता है।

सूर्य अवलोकन: चार पेलोड सीधे सूर्य का अध्ययन करते हैं, तीन एल 1 बिंदु पर कणों और क्षेत्रों का इन-सीटू अध्ययन करते हैं।

वैज्ञानिक लक्ष्य: कोरोनल हीटिंग, कोरोनल मास इजेक्शन, फ्लेयर गतिविधियों, अंतरिक्ष मौसम की गतिशीलता और कण-क्षेत्र प्रसार की जांच करना।

प्रक्षेपण यान: ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी) आदित्य-एल1 को लॉन्च करेगा, जो चंद्रयान-1 और मंगल ऑर्बिटर अंतरिक्ष यान को लॉन्च करने के लिए जाना जाता है।

विंडो लॉन्च करें: अगस्त के अंत या सितंबर की शुरुआत में लॉन्च होने की उम्मीद है।

लखपति दीदी योजना

लखपति दीदी योजना क्या है?

"लखपति दीदी योजना" एक सरकारी योजना है जो ग्रामीण महिलाओं को कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करती है, जिससे उन्हें प्लंबिंग, एलईडी बल्ब बनाने और ड्रोन चलाने जैसे व्यावसायिक कौशल हासिल करने में सक्षम बनाया जाता है।

उद्देश्य: इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करके और उन्हें सूक्ष्म उद्यम स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करके सशक्त बनाना है।

आर्थिक सशक्तिकरण: प्राथमिक ध्यान ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ाने, उन्हें अपने कौशल के माध्यम से आय उत्पन्न करने में सक्षम बनाने पर है।

पीएम का विजन: प्रधानमंत्री की इस योजना के माध्यम से दो करोड़ करोड़पति महिला उद्यमियों को तैयार करने की परिकल्पना है।

स्टेम शिक्षा: सरकार एसटीईएम क्षेत्रों (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, गणित) में आगे बढ़ने वाली महिलाओं की बढ़ती संख्या को स्वीकार करती है और उनके कौशल को भुनाने का लक्ष्य रखती है।

जी-20 मान्यता: महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास पर भारत के फोकस को जी-20 ने मान्यता दी है, जो इसके महत्व को और उजागर करता है।

समाचारों में स्थान

कुबु राया रीजेंसी

राजनीतिक सीमाएँ:

- यह इंडोनेशिया के पश्चिम कालीमंतन प्रांत में स्थित है।
- इसके उत्तर में दक्षिण चीन सागर की सीमा लगती है।

सदाबहार वन: यह इंडोनेशियाई बोर्नियो के पश्चिमी भाग में सबसे बड़े मैंग्रोव वन का घर है।

मैंग्रोव समृद्धि: इंडोनेशिया में दुनिया के 20% मैंग्रोव हैं, जिसमें कुबा राया प्रजाति का महत्वपूर्ण योगदान है।

वनों की कटाई की चिंताएँ: मैंग्रोव से चारकोल उत्पादन के कारण वनों की कटाई के संबंध में बढ़ती समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

चारकोल उद्योग: यह उल्लेखनीय संख्या में चारकोल भट्टियों को समायोजित करता है, जो मैंग्रोव की कमी में योगदान देता है।

पारंपरिक अभ्यास: चारकोल उत्पादन 1940 के दशक से आजीविका प्रदान करने वाली एक पारंपरिक गतिविधि रही है।

पारिस्थितिक प्रभाव: बढ़ती चारकोल-संबंधित गतिविधियों के कारण मैंग्रोव संसाधनों पर महत्वपूर्ण दबाव बढ़ रहा है।

दृश्यमान वनों की कटाई: घने मैंग्रोव क्षेत्रों में कमी के कारण वनों की कटाई के स्पष्ट क्षेत्र सामने आए हैं।

पर्यावरणीय महत्व: जैव विविधता, कार्बन पृथक्करण और तटीय संरक्षण के कारण महत्वपूर्ण पारिस्थितिक महत्व रखता है।

POINTS TO PONDER

- **सबसे पुराने क्रिकेट टूर्नामेंटों में से एक को तमिलनाडु में 5 साल बाद फिर से शुरू किया गया। इसका क्या नाम है**? – बुच्ची बाबू टूर्नामेंट
- **एलआईसी का एमडी किसे नियुक्त किया गया**? - श्री आर दोरईस्वामी
- **बांग्लादेश किस देश के साथ प्रत्यर्पण संधि पर हस्ताक्षर करना चाहता है**? - यूनाइटेड किंगडम
- **भारत ने किस देश के साथ 19वीं कमांडर स्तर की वार्ता की है**? - चीन
- **किस राज्य ने अगले वर्ष से एनईपी को समाप्त करने का निर्णय लिया है**? - कर्नाटक

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com